पाठ 2

साहसी नीलू

मुख से

प्रश्नों के उत्तर बताइए

क) सराईखेत में कब हिमपात होता था?

उत्तर- दिसंबर से जनवरी के महीने में सराईखेत में हिमपात होता था।

ख) गांववाले लकड़ियां काटकर क्यों रख लेते थे?

उत्तर- सर्दी के मौसम में पहाड़ों पर बर्फ गिरती है। इस समय भीषण ठंड से बचने के लिए आग ही एकमात्र सहारा होती है। इस कारण गांव के लोग लकड़ियां काट कर रख लेते थे।

ग) जब भालू आया तो गांव के लोग कहां थे?

उत्तर- जब गांव में भालू आया तो गांव के सभी पुरुष लकड़िया लेने जंगल गए हुए थे, जबकि महिलाएं गांव से दूर खेतों में काम कर रही थीं।

घ) नीलू कनस्तर पीटकर क्या करना चाहती थी?

उत्तर- नीलू कनस्तर पीटकर भालू को डराना चाहती थी।

कलम से- (1) प्रश्नों के उत्तर लिखिए-

क) प्राकृतिक सुषमा से भरपूर सराईखेत में क्या समस्या थी?

उत्तर- प्राकृतिक सुषमा से भरपूर सराईखेत गांव में अक्सर हिंसक व जंगली जानवर घुस आते थे। वहां के पालतू पशुओं का शिकार करके उन्हें खा जाते थे।

ख) गांव के लोग नीलू को साहसी क्यों मानते थे?

उत्तर- नीलू गांव में घुस आए हिंसक-जंगली जानवरों को दरांती लेकर ही खदेड़ देती थी। इस कारण गांव के लोग उसे साहसी मानते थे।

ग) पिता नीलू को क्या समझाते थे?

उत्तर- पिता नीलू को समझाते थे कि दरांती लेकर जंगली जानवरों के पीछे जाना बहुत खतरनाक होता है। कभी-कभी वे पलटकर हमला भी कर देते हैं और तब उनसे बच पाना काफ़ी मुश्किल होता है।

घ) नीलू ने भालू के हमले का कैसे सामना किया? अपने शब्दों में लिखिए।

उत्तर- जब भालू ने नीलू पर हमला किया तो उसने एक तरफ हटकर उसके आक्रमण से अपने आप को बचाया। यह देख कर भालू झुंझला उठा और पहले से दोगुने वेग से नीलू पर झपटा। इस बार नीलू ने कनस्तर का खुला सिरा उसके मुंह के सामने कर दिया। इससे उसका सिर कनस्तर में फंस गया। भालू उसमें से निकलने के लिए बहुत छटपटाया। जल्दी वह थककर पस्त हो गया। इस प्रकार लीलू ने भालू के हमले का सामना किया।

ड़) नीलू ने भालू की परेशानी का क्या हल निकाला?

उत्तर- नीलू ने देखा कि भालू का सिर कनस्तर में फसे होने के कारण उसे सांस लेने में परेशानी हो रही है। तब उसने कुल्हाड़ी से कनस्तर का एक सिरा काट दिया, जिससे उसे ताज़ी हवा मिल सके।

च) अंत में भालू का क्या हुआ?

उत्तर- अंत में बच्चों ने मिलकर थके हुए भालू का एक पैर रस्सी से बांध दिया और रसिका दूसरा सिरा एक पेड़ से बांध दिया। अगले दिन वन विभाग को इसकी सूचना दी गई। उन्होंने भालू को पिंजरे में बंद करके चिड़ियाघर भेज दिया।